श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 201, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण | प्रयागराज | शुक्रवार 16 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

वाराणसी में बोले प्रधानमंत्री -

काशी का श्रृंगार 'रुद्राक्ष' के बिना अधूरा

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर समेत 1475 करोड़ की सौगात देने सुबह पहुंच गए।

सुबह 10:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर वायुसेना का विमान बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा तो उनका स्वागत करने के लिए शासन प्रशासन के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। पीएम को लेकर भारतीय वायुसेना का विमान एप्रन पर पहुंचा तो विमान से उतरने के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी अगवानी की। आगवानी के बाद सभी से मुलाकात करने के बाद पीएम चॉपर हेलीकॉप्टर से बीएचयू की ओर सुबह 10.50 बजे रवाना हो गए और उनका हेलिकाप्टर बीएचयू के आइआइटी टेक्नो ग्राउंड पर सुबह 11.02 बजे पहुंच गया। इसके बाद सीएम का संबोधन हुआ और पीएम ने सुबह 11. 27 बजे सभी योजनाओं को जनता को समर्पित किया। संबोधन के बाद पीएम बीएचयू के एमसीएच का निरीक्षण करने पहुंचे और कोरोना की तीसरी

लहर से बचाव की तैयारियों का जायजा लेने के बाद साथ 18 कोरोना वारियर्स से बात की। इसके बाद पीएम ने दोपहर दो बजे जापान के सहयोग से बने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर बाद 3:45 बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

वाराणसी, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर समेत 1475 करोड़ की सौगात देने सुबह पहुंच गए। सुबह 10:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर वायुसेना का विमान बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा तो उनका स्वागत करने के लिए शासन प्रशासन के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम को लेकर भारतीय वायुसेना का विमान एप्रन पर पहुंचा तो विमान से उतरने के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी अगवानी की। आगवानी के बाद सभी से मुलाकात करने के बाद पीएम चॉपर हेलीकॉप्टर से बीएचयू की ओर सुबह 10.50 बजे रवाना हो गए और उनका हेलिकाप्टर बीएचयू के आइआइटी टेक्नो ग्राउंड पर सुबह 11.02 बजे पहुंच गया। इसके बाद सीएम का संबोधन हुआ और पीएम ने सुबह 11. 27 बजे सभी योजनाओं को जनता को समर्पित किया। संबोधन के बाद पीएम बीएचयू के एमसीएच का निरीक्षण करने पहुंचे और कोरोना की तीसरी लहर से बचाव की तैयारियों का जायजा लेने के बाद साथ 18 कोरोना वारियर्स से बात की। इसके बाद पीएम ने दोपहर दो बजे जापान के सहयोग से बने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर बाद 3:45 बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

काशी में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण से साफ, यूपी में योगी आदित्यनाथ ही चेहरा, कहा- अभूतपूर्व संकट से बचाया

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को 1,583 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी है। इसके साथ ही उन्होंने बीएचयू ग्राउंड में लोगों को संबोधित करते हुए राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की है। बीते दिनों राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और बड़े फेरबदल जैसी चर्चाओं को इसके जरिए उन्होंने खारिज किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ को कर्मठ और लोकप्रिय नेता बताते हुए उन्होंने कोरोना संकट से निपटने में योगी सरकार के काम की तारीफ की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यूपी के लिए पहले भी योजनाएं तैयार होती थीं, लेकिन 2017 से पहले लखनऊ से रोड़ा लग जाता था। सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद हर काम को संभालते हैं।

40 लाख लोगों की जिंदगी छीन चुका कोरोना अभी और हो सकता है खतरनाक, डब्लूएचओ की दुनिया को चेतावनी

जेनेवा (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपातकालीन समिति ने गुरुवार को जिस तरह की चेतावनी दी है उसके मुताबिक, महामारी का जो रूप अभी तक दिखा है वह ट्रेलर है और आगे यह और खतरनाक तस्वीर दिखा सकता है। डब्लूएचओ ने कहा है कि आने वाले समय में दुनियाभर में कोरोना के नए वेरिएंट्स के फैलने की संभावना है, जो महामारी को खत्म करना और मुश्किल बना सकते हैं।

समिति ने कहा, ''महामारी अभी खत्म नहीं होने जा रही है। इस बात की अधिक संभावना है कि वैश्विक स्तर पर और ज्यादा खतरनाक वेरिएंट फैल सकते हैं, जिन्हें नियंत्रित करना और अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।'' गौरतलब है कि 2019 के अंत में चीन से निकला कोरोना अब तक दुनिया में 40 लाख से अधिक लोगों की जिंदगी छीन चुका है, जबकि अभी तक कुल 18 करोड़ 93 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं।

कोरोना वायरस लगातार अपना रूप बदल रहा है और इसका डेल्टा वेरिएंट इस समय अधिकतर देशों में कोहराम मचा रहा है। भारत में दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार माना जा रहा वेरिएंट कोरोना के मूल स्वरूप यानी एल्फा वेरिएंट से कहीं अधिक संक्रामक है।

डब्लूयूएचओ के प्रमुख ने चीन से एक बार फिर कहा है कि वह महामारी की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए जांच में सहयोग करे और डेटा उपलब्ध कराए। ट्रेडोस अदनोम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कोरोना कहां से आया इसकी जांच के लिए स्वास्थ्य संगठन ने एक फ्रेमवर्क तैयार किया है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इस बार बेहतर सहयोग होगा ताकि तह तक पहुंचा जा सके।'' उन्होंने इशारा किया कि शुरुआती जांच के लिए दौरान कई तरह की दिक्कतें आईं थीं।

भारत में अगस्त के अंत तक आएगी कोरोना की तीसरी लहर, आईसीएमआर से जुड़े डॉक्टर ने बताया कितना होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना की तीसरी लहर तमाम अनुमान और आशंकाएं जाहिर की जा रही हैं। इस बीच इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के एपिडेमिलॉजी और इंफेक्शस डीजीजेज के प्रमुख डॉक्टर समिरन पांडा ने भी इसको लेकर अपना अनुमान जाहिर किया है।

इसके मुताबिक भारत में कोरोना की तीसरी लहर का असर अगस्त तक अंत तक देखने को मिलेगा। हालांकि यह दूसरी लहर से कम घातक होगा। एक समाचार चैनल के साथ बातचीत में डॉक्टर पांडा ने कहा कि तीसरी लहर का असर पूरे देश में होगा। लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम है कि यह दूसरी लहर जितनी घातक होगी। इस बीच एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने चिंता जाहिर

करते हुए कहा है कि अगर पाबंदियों में इसी तरह ढील दी जाती रही तो तीसरी लहर बहुत भयावह हो सकती है।

डॉक्टर पांडा ने ऐसे चार फैक्टर्स के बारे में बताया, जो तीसरी लहर की वजह बन सकते हैं, इनमें से पहला है इम्यूनिटी। डॉक्टर पांडा के मुताबिक अगर इम्यूनिटी कम हुई तो पहली और दूसरी लहर की तुलना में इम्यूनिटी कमजोर हुई तो यह तीसरी लहर की चपेट में आने की बड़ी वजह होगी। एनडीटीवी से बातचीत के दौरान उन्होंने दूसरा फैक्टर नए वैरिएंट को बताया, जो किसी भी इम्यूनिटी पर वार कर सकता है।

वहीं तीसरा फैक्टर उन्होंने वायरस के प्रसार की तेजी को बताया, जबकि चौथा फैक्टर राज्यों द्वारा जल्दबाजी में कोरोना से जुड़ी कड़ाइयों में छूट देना है। डॉक्टर पांडा ने बताया कि अगर समय रहते इन चारों वजहों पर गौर किया जाए तो काफी हद तक हालात नियंत्रण में हो सकते हैं। इस दौरान डेल्टा वैरिएंट को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि डेल्टा और डेल्टा प्लस, दोनों वैरिएंट देशपर असर डालेंगे। हालांकि उन्होंने डेल्टा वैरिएंट से कम नुकसान होने की संभावना जताई। गौरतलब है कि हाल ही में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा था कि कोरोना की तीसरी लहर ज्यादा घातक हो सकती है। आम जनता और राज्यों द्वारा कोविड प्रोटोकॉल्स की जिस तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उसको लेकर भी आईएमए ने चिंता जताई थी। वहीं केंद्र सरकार ने भी गुरुवार को राज्यों के साथ मिलकर कोरोना गाइडलाइंस को देश का देश के सभी हिस्सों में पालन कराए जाने पर जोर दिया।

राजद्रोह कानून की वैधता को परखेगा एससी, कहा-

आजादी के 75 साल बाद भी अंग्रेजों के जमाने के कानून की देश में क्या जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजद्रोह की कानून की तुलना एक ऐसे बढ़ई से की जा सकती है, जिससे एक लकड़ी काटने को कहा गया हो और उसने पूरा जंगल काट दिया हो। सीजेआई ने कहा कि एक गुट के लोग दूसरे समूह के लोगों को फंसाने के लिए इस प्रकार के (दंडात्मक) प्रावधानों का सहारा ले सकते हैं।एक शख्स था थोमस बैबिंगटन मैकाले ये भारत तो आया था अंग्रेजी की पढ़ाई करने लेकिन उसके बाद इसी भारत में अगर किसी ने देशद्रोह का कानून ड्राफ्ट किया तो वो लार्ड मैकाले ही थे। सोचिए जरा सन 1837 में जो देशद्रोह कानून बना था उस पर देश की सबसे बड़ी अदलात ने सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या आजादी के 75 साल के बाद भी राजद्रोह कानून की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस कानून के वैधता को जांचेगी और इस मामले में केंद्र सरकार का जवाब भी मांगेगी। अदालत ने कहा कि ये कानून औपनिवेशिक है और ब्रिटिश काल में बना था। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमनन ने कहा कि इस कानून को लेकर विवाद ये है कि ये औपनिवेशिक है और इसी तरह के कानून के कानून का इस्तेमाल अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को चुप

कराने के लिए किया था। अदालत ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ये कानून संस्थानों के काम करने के रास्ते में गंभीर खतरा है। इसमें ऐसी असीम ताकतें है जिनका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजद्रोह के कानून को कई याचिकाओं के जरिये चुनौती दी जा चुकी है और इन सब याचिकाओँ को एक साथ सुना जाएगा।

यह पूरा मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए से जुड़ा है। पीठ मेजर-जनरल (सेवानिवृत्त) एसजी वोम्बटकेरे की एक नई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए (राजद्रोह) की संवैधानिक वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर अनुचित प्रतिबंध है। इसे भी पढ़ें: फ्रांस के कोर्ट ने केयर्न एनर्जी को भारत सरकार की संपत्तियां जब्त करने की क्यों दी इजाजत यहां समझिए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजद्रोह की कानून की तुलना एक ऐसे बढ़ई से की जा सकती है, जिससे एक लकड़ी काटने को कहा गया हो और उसने पूरा जंगल काट दिया हो। सीजेआई ने कहा कि एक गुट के लोग दूसरे समूह के लोगों को फंसाने के लिए इस प्रकार के (दंडात्मक) प्रावधानों का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई विशेष पार्टी या लोग (विरोध में उठने वाली) आवाज नहीं सुनना चाहते हैं, तो वे इस कानून का इस्तेमाल दूसरों को फंसाने के लिए करेंगे।

मध्य प्रदेशः विदिशा में कुएं में गिरे 15 लोग, मौके पर प्रशासन, सीएम शिवराज ने मंत्री को भी भेजा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के विदिशा में कुएं में कम से कम 15 लोगों के गिरने की सूचना है। खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही मंत्री को भी मौके पर भेजा गया है। राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया गया है। फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि कैसे ये लोग कुएं में गिरे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटना को लेकर जानकारी देते हुए एक के बाद एक कई ट्वीट किए हैं। उन्होंने बताया कि विदिशा जिले के गंजबासौदा थानांतर्गत कुछ लोगों के कुएं में गिरने की प्रारंभिक सूचना मिली है। घटनास्थल पर एसडीएम उपस्थित हैं। जिला कलेक्टर और एसपी भी पहुंच रहे हैं। प्रशासन की टीम तत्परता के साथ बचावकार्य में जुटी हुई है।

एक अन्य ट्वीट में शिवराज ने बताया कि उन्होंने प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग को भी रवाना किया है।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142 | स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट– हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK | PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्याल्य : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मोः 9721116002

साई कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

सांसद प्रतिनिधि प्रतापगढ़ सुधीर कुमार साहू बउआ किये उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से भेंट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सांसद प्रतिनिधि प्रतापगढ़ सुधीर कुमार साहू बउआ देर शाम सांसद प्रतापगढ़/राष्ट्रीय महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा संगम लाल गुप्ता जी के साथ जाकर उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी से लखनऊ सात कालिदास मार्ग स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट किये।

सांसद संगम लाल गुप्ता के साथ उपमुख्यमंत्री जी से विशेष मुलाकात में सुधीर कुमार साहू बउआ ने उपमुख्यमंत्री जी से प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र की जनहित एवम विकास के मुद्दे पर चर्चा कर निवेदन किये की यमुनापार क्षेत्र जो आपका कर्मभूमि रहा है और आपका अधिक समय

यमुनापार में ब्यतीत हुआ है इस नजरिए से नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष एवम सदस्यों, ब्लाक प्रमुख एवम निर्वाचित प्रधानों को विशेष आशीर्वाद एवम सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकारों के माध्यम से विकास कार्य पूरे कराये जाने का अनुरोध किये।।इसी क्रम में सुधीर कुमार साहू बउआ ने जसरा रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज के लिए मांग किये की जनसामान्य में अधिक कठिनाई को दृष्टिगत रखते हुए ओवरब्रिज पास करवाने की कृपा करें साथ ही साथ पंचायत चुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेश नेतृत्व को एवम आदरणीय श्री केशव प्रसाद मौर्य जी को बधाई दिए और भरोसा दिए कि हम सभी लोग मिलकर आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में पूरी निष्ठा के साथ पार्टी संगठन के साथ सभी को साथ लेकर चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को विजय दिलाने का कार्य करेंगे । सांसद प्रतापगढ़ संगम लाल गुप्ता जी ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी से सुधीर कुमार साहू बउआ पर अपना विशेष आशीर्वाद प्रदान करने का अनुरोध किये उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने भी भरोसा दिया कि प्रयागराज के यमुनापार में विकास हेतु जो भी आवश्यक कदम उठाए जाने होंगे वो किया जाएगा और लोक निर्माण विभाग,जिला पंचायत, ग्रामीण अभियंत्रण इकाई ,एवम मंडी समिति के माध्यम से सड़कों का मरम्मतीकरण एवम नव निर्माण का कार्य कराया जाएगा जिससे कि जनहित में जनसामान्य को किसी भी प्रकार की कठिनाई न आये।।

श्रमिकों की कार्यस्थल पर ही आनलाइन उपस्थित दर्ज करें रोजगार सेवक : बीडीओ

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। मनरेगा में समूह की महिलाओं को मेठ का दायित्व मिलने से जहां उन्हें रोजगार मिलेगा वहीं गांव में कार्य कर रहे रोजगार सेवकों का काम भी हल्का होगा।यह बातें फूलपुर ब्लाक में गुरुवार को मेठ के पद पर चयनित समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित करते हुए खण्ड विकास अधिकारी कविता तिवारी ने कही। मनरेगा श्रमिकों को ज़्यादा से ज़्यादा काम देने के लिए रोजगार सेवकों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान जल्द से जल्द हो सके इसके लिए रोजगार सेवक कार्यस्थल पर ही श्रमिकों की आनलाइन उपस्थित दर्ज करें। इस मौके पर मनरेगा लेखाकार राकेश कुमार, आपरेटर

राजकुमार, रोजगार सेवक नूरुद्दीन हाशमी, विजय चन्द्र विश्वकर्मा, हरिओम प्रकाश, सुरेश,अनिल, राहुल, प्रभाकर सहित अन्य रोजगार सेवक व महिला मेठ उपस्थित रहीं।

करछना में अधिवक्ताओं की अनिश्चित कालीन हड़ताल जारी

हडताल के चलते हलाकान हो रहे हैं फरियादी

अखंड भारत संदेस

करछना। तहसील करछना के अधिवक्ताओं द्वारा अपनी विभिनन मांगों को लेकर गुरुवार को भी हड़ताल पर डटे रहे।बार एसोसिएशन करछना के अधिवक्ताओं ने एसडीएम कोर्ट के पेशकर की कार्यशैली पर पक्षपात करने पर हटाये जाने की मांग की गई है,कोर्ट मे दाखिल वादो को पंजीकृत करने की माग विवादित पत्रवलियो की निस्तारण चौपाल के माध्यम से न करने की माग को लेकर हडताल पर अडे है।बैठक में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चिंतामणि शुक्ल महामंत्री हंसराज सिंह,रमेश चंद्र द्विवेदी, राकेश शुक्ला,एल बी सिंह, यादव प्रसाद पटेल, शिवेंद्र सिंह ,दिनेश कुमार श्रीवास्तव,अतुल कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार सिंह, अंजनी कुमार तिवारी ,सुरेश चंद्र, राजेश कुमार, हेमराज, बिजली सिंह सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने प्रेट्रोल पंपों पर चलाया हस्ताक्षर अभियान

अखंड भारत संदेस

करछना।गुरूवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंहगाई के विरोध में प्रेट्रोल पंपो पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर इसके खिलाफ विरोध दर्ज कराया।इस दौरान करछना विधानसभा क्षेत्र के कई प्रेट्रोल पपों पर पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओ ने मौजूद लोगों से हस्ताक्षर कराये।कांग्रेसियों का कहना था कि भाजपा सरकार में चौतरफ लूट,मंहगाई,बरोजगारी और धींगामुस्ती का आलम है।लोग सरकार की मंशा समझ चुके है और प्रदेश में आगे होने वाले विधानसभा हस्ताक्षर अभियान के दौरान जिलाध्यक्ष यमुनापार अरुण कुमार तिवारी, डॉ. दिनेश कुमार सोनी,राम छबीले मिश्र, त्रिपुरारी मिश्रा, मो0 जान, धर्मराज, रतनकर आदि मौजूद रहे।

महंगाई के खिलाफ बारा तहसील मुख्यालय पर गरजे सपाई

एसडीएम बारा को सौंपा 16 सूत्रीय ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर गुरुवार को सपाइयों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

बारा तहसील मुख्यालय पर जुटे सपाइयों ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इजाफा और महंगाई के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। सपा नेता भागीरथी बिंद की अगुवाई में जुटे सपाइयों ने धरना-प्रदर्शन के बाद उपजिलाधिकारी बारा सौम्या गुरुरानी को विभिनन मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा।

सपा विधानसभा अध्यक्ष भागीरथी बिंद ने कहा कि सूबे की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। महंगाई चरम पर है। बेरोजगार युवाओं को काम नहीं है। किसानों की स्थित बद से बदतर होती जा रही है। बिजली कटौती से जनता त्राहि-त्राहि कर रही है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सूबे की इस स्थित को कभी

भी बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रदर्शन के उपरांत बारा विधानसभा क्षेत्र सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं द्वारा भागीरथी बिंद की अगुवाई में 16 सूत्रीय मांगपत्र एसडीएम को सौंपा गया।इस अवार पर महासचिव अर्जुन सिंह पटेल, मुलायम सिंह यादव, जिला कार्यकारिणी सदस्य अरविंद मिश्र, गुड्डा मिश्र, पूर्व ब्लाक प्रमुख शंकरगढ़ गुलाब कली, कौंधियारा ब्लाक प्रमुख इन्द्रनाथ मिश्रा, पूर्व ब्लाक प्रमुख जसरा घनश्याम कोटार्य, कामद प्रताप सिंह, बबलू मिश्र, अर्जुन तिवारी, सचिन वैश्य, अतुल कुमार यादव, महीप सिंह, अंशुमान सिंह पटेल, पंचेश्वर त्रिपाठी राजू पाल, विजय बागी, मुलायम यादव, नैम अहमद, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, बबलू यादव, हरिभान यादव, बृजेश यादव, शैलेन्द्र यादव, मीडिया बारा शैलेन्द्र सिंह, कुंवर दिवाकर सिंह, लाल साहब यादव, हरिभान यादव, शिवाकांत यादव जिला पंचायत सदस्य, बृजेश बिंद, जिला पंचायत सदस्य बृजेश यादव भी उपस्थित रहे।

मारपीट के मामले में 4 पर केस दर्ज,गैंगेस्टर लगाने की पीड़ित ने की मांग

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के गौहरपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की जमकर पिटाई कर दी। वही पीडि़त पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दूसरे पक्ष पर मारपीट समेत अन्य संगीन धाराओं में 4 पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच में जुट गई।गोहरपुर थाना उतरांव निवासी मोहम्मद शमीम व उक्त गांव के जावेद उर्फ लल्लन से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जिसको लेकर दोनों पक्षों में आपसी कहासुनी हुई।वही देखते ही देखते दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को जमकर पीटा। वही पीडि़त पक्ष मोहम्मद शमीम ने उतराव थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की तो पुलिस ने जांच करते हुए मारपीट तोड़फोड़ जान से मारने की धमकी समेत अन्य संगीन धाराओं में उक्त गांव के शकील पुत्र सलीम अकबर पुत्र नईम,अनस पुत्र अलीम व जावेद उर्फ लल्लन पुत्र जुबेर अहमद पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच में पुलिस जुट गई। पीडि़त पक्ष ने बताया कि उक्त दबंगों के खिलाफ 1 वर्ष के बीच लगभग मारपीट के मामले में स्थानीय थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं।

पत्रकारों के ऊपर समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी :: जेपी शुक्ल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के 22 वां स्थापना दिवस गुरुवार को पंचायत भवन बारी बजहिया में मनाया गया। तहसील इकाई बारा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महासंघ के अनुशासन एवं जांच प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी

जगदम्बा प्रसाद शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी व उपाध्यक्ष आर के शर्मा मौजूद रहे। संचालन प्रवीण कुमार मिश्र ने किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि पत्रकारों के ऊपर समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है इसलिए उन्हें निष्पक्षता व ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महासंघ पत्रकारों के सम्मान व सुरक्षा के लिए कृत संकल्प है। विशिष्ट अतिथि ने पत्रकारों से एकजुटता बनाये रखते हुए समाज की समस्याओं को उजागर करने की अपील की। उन्होंने महासंघ के क्रिया कलापों पर प्रकाश डाला। मंडल उपाध्यक्ष आर के शर्मा ने कहा कि हमें चाटुकारिता पूर्ण पत्रकारिता से बचना होगा तथा आपस में मैत्रीपूर्ण भावना से कार्य करना होगा। तहसील अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ व कार्यक्रम के संयोजक सुरेश चंद्र पटेल ने आये हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए महासंघ को मजबूत वनाये रखने की अपील की। कार्यक्रम को अखिलेश त्रिपाठी, एस पी सिंह सहित कई पत्रकारों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राजेश निषाद, डॉ विनोद कुमार पटेल, रामदुलार, परवेज आलम सहित प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोग मौजूद रहे।

चुनाव में लोकतंत्र की हत्या के विरोध में गरजे सपाई-

सपा विधायक के नेतृत्व में करछना तहसील पर कार्यकर्ताओं किया धरना प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

करछना। ब्लाक प्रमुख एवम् जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा सरकार ने पुलिस प्रशासन के बल पर ब्यापक पैमाने पर लोकतंत्र की धज्जियां उडाई थी, जिसका जबाब जनता आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में मुहतोड़ जवाब देंगी और इस तानाशाही सरकार को समाजवादी लोग उखाड़ फेंकने, और सपा सरकार बनेगी और लोगों को न्याय मिलेगा, उक्त बातें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर तहसील करछना में सरकार के खिलाफ़ करछना विधायक उज्वल रमण सिंह ने धरना प्रदर्शन के दौरान कहीं । उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भाजपा की प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन काम कर रही है आने वाले 2022 के विधानसभा चुनाव में ,सपा की सरकार बनने

जा रही है, और लोकतंत्र की हत्या करने वालों से उसका बदला सपा सरकार अवश्य लेगी, धरना प्रदर्शन के उपरांत 16 सूत्रीय ज्ञापन राज्यपाल को सम्बोधित एसडीएम करछना को सौंपा, इस मौके पर प्रमुख लोगों में रविश चंद्र तिवारी, राजेश्वर पाण्डेय, एडवोकेट डी आर सिंह, अमर बहादुर सिंह, तुलसी राम यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य, डाक्टर लाल मियां, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार द्विवेदी, समर जीत यादव उर्फ पंडा प्रधान बसरिया, राकेश कुमार सिंह, प्रधान बबुरा निर्मल कुमार सिंह यादव, कबूतर पटेल, शिव बाबू सिंह बरांव, सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता शामिल रहे ।

भीषण गर्मी में बूंद बूंद पानी को तरसे शंकरगढ़वासी, दिया धरना

जल निगम के जेई के आश्वासन पर मानी बात

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। पत्थरों के गढ़ शंकरगढ़ की पेयजलापूर्ति पूरी तरह से चरमरा गई है। बुंदेलखंड क्षेत्र में आने वाले शंकरगढ़ की 70 फीसद आबादी सप्लाई के पानी पर ही आश्रित है। पर, पिछले सप्ताह भर से यहां पानी की सप्लाई ठप है और स्थानीय लोग डिब्बा-बाल्टी लेकर दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। शिकायत पर जल निगम ने पाइप फटने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।गुरुवार तक कोई भी कर्मचारी, अधिकारी फाल्ट खोजने नहीं आया। लोगों की इस समस्या से परेशान भाजपा के जिलामीडिया प्रभारी सतीश विश्वकर्मा ने जल निगम शंकरगढ़ के गेट पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सतीश विश्वकर्मा के साथ धरने में स्थानीय लोग भी शामिल हो गए हैं।

जल निगम शंकरगढ़ के दफ्तर पर धरनारत सतीश विश्वकर्मा ने कहा कि जल निगम पाइप फटने

की बात बता रहा है, लेकिन उसकी मरम्मत नहीं करवा रहा। गमिर्यों के दिनों में पेयजल नहीं मिलने से लोग एक-एक बूंद पानी के लिए बिलबिला रहे हैं। यह इलाका पूरी तरह से पहाड़ी एरिया पर स्थित है। यहां के 70 फीसद लोग पेयजल सप्लाई पर ही निर्भर हैं। जबकि अवशेष के पास स्वयं का बोर है। मौजूदा समय में एक सप्ताह से पेयजलापूर्ति ठप चल रही है। इस भीषण गर्मी में पानी नहीं मिलने से लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं।

आरोप लगाया कि जल निगम के जेई भी पिछले तीन महीने से यहां नहीं आए। अफसरों की निगरानी न होने से स्थानीय कर्मचारी भी मनमानी पर उतारू हैं। सतीश विश्वकर्मा ने कहा कि क्षेत्र में 4.68 करोड़ रुपये का गौरा पेयजल योजना (प्रोजेक्ट) है। उसकी पहली किश्त पचास लाख रुपये के रूप में जारी हो गई है,लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। यदि यह प्रोजेक्ट शुरू हो जाए तो काफी हद तक यहां की समस्या हल हो सकती है। जनप्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट लाइनपार-पटहट रोड भी अधर में लटका हुआ है।

सतीश ने कहा कि यदि आगामी 15 अगस्त तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता तो मैं भारतीय जनता पार्टी के पद से इस्तीफा दे दूंगा।

सतीश का साथ देने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद्र केसरवानी, महामंत्री रतन केसरवानी,विहिप नगर अध्यक्ष सुजीत केसरवानी,जय केसरवानी, सोमनाथ वर्मा, उमा वर्मा, हेमराज केसरवानी,कुशल जैन, मून द्विवेदी, उमेश केसरवानी, पंचराज, रतन वर्मा, रमा वर्मा, विजयलक्ष्मी, आशा वर्मा आदि लोग धरने में बैठे रहे।सप्लाई ठप होने का कारण जानने पर जल निगम के अवर अभियंता श्याम बहादुर पाल ने बताया कि बीएसएनएल ने शंकरगढ़ के रानीगंज के आसपास करीब पांच जगहों पर पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया है, 10 फीट गहरी लाइन नीचे होने के कारण समय लग रहा है ,कल से समस्या दूर हो जाएगी।दूसरी ओर एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी ने बताया कि समस्या गंभीर है,इसका तत्काल समाधान कराया जा रहा है।

सपाइयों ने विरोध-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर बृहस्पतिवार को सपा कार्यकर्ताओं ने महंगाई,चुनाव में धांधली,गुंडागर्दी,एवं बढ़ते अपराध को लेकर फूलपुर तहसील मुख्यालय पर एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की उसके बाद एसडीएम फूलपुर के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।इस मौके पर जिलाध्यक्ष योगेश यादव,नसीरुद्दीन राइन,अनिल यादव जिलाउपाध्यक्ष,पूर्व विधायक प्रतापपुर विजमा यादव,पूर्व प्रत्याशी फूलपुर लोखसभा पंधारी यादव,पूर्व विधायक जोखूलाल यादव,पूजा पाल,नागेंद्र पटेल,धर्मेंद्र सरोज,अशोक अंजान,जितेंद्र यादव,राजेश यादव (अध्यापक) श्यामलाल पाल,बेला यादव,राकेश अंगद यादव,मुराद मंसूरी सहित सैकड़ो सपा कार्यकर्ता रहे।

मेजा तहसील में गरजे सपाई एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाजवादी पार्टी 16 सूत्री मांगों को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश की बदहाल व्यवस्था को दुरुस्त कराया जाय।

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज विधानसभा मेजा भाजपा की मौजूदा सरकार द्वारा चलाए जा रहे देश मे कानून व्यवस्था से आहत होकर समाजवादी पार्टी के जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं द्वारा बृहस्पतिवार को मेजा तहसील परिसर मे अपनी 16 सूत्री मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन किया गया।

जिसमे सपाइयों ने उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री से संबोधित 16 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। सपाइयों की मांग है कि किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिया जाए, एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाए, प्रदेश में किसानों का गनने का बकाया भुगतान ?15000 तत्काल दिए जाएं, किसानों के ऊपर जो काला कानून थोपा जा रहा है उसे तत्काल वापस लिया जाए, बढ़ती महंगाई, (डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस, खाद, बीज, कीटनाशक दवाए, कृषि यंत्र) पर रोक लगाई जाए, बेरोजगार नौजवानों को रोजगार दिया जाए, उत्तर प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, महिलाओं के साथ हो रहे।

अपराध पर रोक लगाई जाए, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के ऊपर फर्जी मुकदमे दर्ज करना तत्काल बंद किया जाए तथा उत्पीडन पर रोक लगाई जाए, उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे संगठित अपराध को अविलंब बंद किया जाए।उत्तर प्रदेश की बदहाल व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए, बढ़ते

भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए, कोरोना काल में सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच कराई जाए और मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया जाए, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में हुई धांधली एवं हिंसा की जांच कराई जाए, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए और पुनः मतदान कराया जाए।पत्रकारों के ऊपर लगातार हो रहे हमले और हत्या पर रोक लगाई जाए, दलित वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग पर हो रहे अत्याचार बंद हो, पिछड़े वर्ग को 27ज्ञ आरक्षण में कटौती बंद हो कि मांग को लेकर सपाइयों ने मेजा तहसील मे धरना देते हुए उक्त मांग पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपा।इस दौरान धरना प्रदर्शन पर मौजूद जिला महासचिव संदीप पटेल, डॉ देवी सिंह पटेल, रामसेवक पटेल पूर्व विधायक, मेजा विधानसभा अध्यक्ष श्यामकृष्ण सिंह यादव (पप्पू यादव) चैयरमेन नगरपंचायत सिरसा, नरेन्द्र सिंह प्रदेश सचिव, प्रमिल यादव, गामा पाण्डेय पूर्व विधायक, रचित विश्वकर्मा ,पप्पू गौतम,जयशंकर यादव बबल (क्षे.पं.स) राजेश यादव, हर्षित पाण्डेय, लल्लन सिंह, नितेश तिवारी, काशी नरेश यादव, जय शंकर भारती, इंद्रेश यादव, शिवकैलाश यादव अधिवक्ता, नीरज सिंह यादव, लवकुश यादव, पवन पटेल, राकेश यादव रूद्र, विमल यादव, गुड्डू यादव, अरविंद यादव, अंकुर यादव, अंकित यादव प्रधान, प्रदीप पटेल, मनोज भारती, पंकज यादव, विकास यादव, मंगला प्रसाद पाल, लक्ष्मीशंकर पाल, दिवाकर सिह यादव अधिवक्ता, हिमांशु विश्वकर्मा (रिंकू),संगम लाल भारती, चंदन यादव सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस धरना प्रदर्शन व आंदोलन में बढ़-चढ़ कर सहभागिता निभाई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेजा पुलिस प्रसाशन भी भारी संख्या में मौजूद रही।

अखंड भारत संदेशप्रतापपुर में ट्रांसफार्मर जलने से किसान एवं व्यापारी परेशान

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। विद्युत उपकेंद्र बरेस्ता कला से संबंधित प्रतापपुर तिराहे पर 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर चार दिनों से जला है जिसके कारण श्रीरामपुर गाँव सहित बाजार की सैकड़ो दुकानों की बिजली गुल होने से उमस भरी गर्मी में बिना बिजली के लोगो का जीना मुहाल हो गया है।साथ ही दो प्राइवेट नलकूपों का संचालन बंद होने से धान की रोपाई बाधित है।इसकी सूचना विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी गयी बावजूद जिसके अब तक ट्रांसफार्मर बदला नही जा सका है।जिसके कारण खेती का कार्य पिछड़ रहा है साथ ही ग्रामीण और व्यपारियो का भी विद्युत विभाग के प्रति बढ़ रहा है।

डीए बहाली से रेल कर्मचारी में ख़ुशी

एरियर्स सहित अन्य मांगों के लिए जंग जारी रहेगी : मनोज पांडेय

आईआरईएफ द्वारा 1 जुलाई से 15 जुलाई तक़ जारी अभियान डी ए बहाली की सफलता के साथ आज सम्पनन्ङ - ङ्डॉ कमल उसरा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आज नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन सम्बद्ध ईं व ऐक्टू ने प्रयागराज जँ सीडीए सेड पर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से कोविड दिशा निर्देश का पालन करते हुए अभियान के आखिरी दिन डी ए बहाली की खुशी जाहिर करते हुए एरियर्स सहित अन्य मांगों के लिए जारी रखने का एलान किया, ङ्नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन केंद्रीय महामंत्री मनोज पाण्डेय ने कहाङ 1 जुलाई से 15 जुलाई तक़ लगातार मंहगाई भत्ते (ङ्ङ्)की किस्तें एरियर समेत बहाल करने का हम जो अभियान चला रही थे, वो आज सरकार द्वारा रेलवे सहित केंद्रीय कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता बहाल करने की खुशी के साथ सम्पनन् हुआ,

ङमनोज पाण्डेय ने कहाङ कर्मचारियों में डी ए बहाली की खुशी है ,लेकिन एरीयर्स स्पष्ट नही होने से निराशा भी है इसीलिए एरियर्स सहित अन्य मांगों के लिए आगे की जंग अभी जारी रहेगी,

इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन लगातार रेलवे कर्मचारियों के हित में हमेशा संघर्ष करता रहा है, आगे भी पुरानी पेंशन बहाली, नाइट ड्यूटी अलाउंस, रेलवे के निजीकरण, निगमीकरण, ट्रैक मैन

को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने तथा अन्य विभागों की तरह ट्रैक मैन कैडर रिस्ट्रक्चरिंग लागू करवाने के लिए, शहीद रेल कर्मचारियों को कोरोना वैरियर्स घोषित करने के साथ ही सभी रेल कर्मचारियों का निःशुल्क 50 लाख रुपए का बीमा करने लिए, आठ घंटे का ड्यूटी रोस्टर लागू करने के लिए, रेलवे में तत्काल भर्ती शुरू करवाने सहित अन्य मांगो के लिए संघर्ष जारी रखेंगे,

ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी ने कहाङ इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन अपने जन्मकाल से ही संघर्ष के लिए जाना जाता है, जो लोग कहते है फिरते है कि संघर्ष से कुछ नहीं होता है, उन्हें घ्ंिइ के संघर्ष से न सिर्फ़ सीखना चाहिए बल्कि घ्ंिइ के संघर्ष से रेलवे कर्मचारियों के हित में हो रहे फैसले को नोटिस करते हुए ईं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बड़े संघर्ष के लिए एकता बनानी चाहिए,

यक़ीनन जब रेलवे में मान्यता प्राप्त फेडरेशन सरकारी फेडरेशन बनकर सरकार के साथ गलबहियां कर रही हो ऐसे दौर में मेहनत कश संघर्ष शील नौजवान रेल कर्मचारियों के बल पर संघर्षकारी फेडरेशन की पहचान के साथ इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन लगातार संघर्ष का इतिहास बना रहा है, हमारी हमेशा कोशिश रही है कि रेलवे में संघर्ष शील ताकते एक साथ एक जुट होकर संघर्ष की मशाल को बुलंद करें और इसी संघर्ष का यह नतीजा भी है कि केन्द्र सरकार डी ए बहाल करने को मजबूर हुई है, हम इस जीत से ऊर्जा प्राप्त करके आगे के संघर्ष को जारी रखेंगे।

दिशा छात्र संगठन की ओर से हस्ताक्षर अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय खोलने की मांग को लेकर दिशा छात्र संगठन की ओर से लगातार दूसरे दिन हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। संगठन के धर्मराज ने बताया कि पिछले साल भी केन्द्रीय पुस्तकालय नहीं खोला गया लेकिन पुस्तकालय के मद में छात्रों से फीस ली गयी थी। इस बार भी नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है लेकिन पुस्तकालय नही खोला जा रहा है। पुस्तकालय न खुलना छात्रों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

चुनाव में धांधली व महंगाई को लेकर सपाइयों ने किया उग्र प्रदर्शन

सपा के उच्च नेतृत्व के निर्देश पर सपाइयों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव में धांधली और बढ़ती हुई महंगाई को लेकर फूलपुर तहसील में जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

सपा जिलाध्यक्ष योगेश यादव व विधानसभा अध्यक्ष शकील इस्माइल के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता तहसील परिसर में बढ़ती महंगाई और जिला पंचायत चुनाव में धांधली के साथ ही गलत तरीके से जीत हासिल करने पर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी फूलपुर को सौंपा। किसानों को लाभकारी मूल्य देने, ध्वस्त कानून ब्यवस्था, बढ़ती मंहगाई, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार की समस्या के साथ ही

सपाइयों ने 17 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान थाना प्रभारी राजकिशोर के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन सतर्क रहा।

इस दौरान विजमा यादव, पूजा पाल, नागेंद्र सिंह पटेल, पंधारी यादव, कृष्ण मूर्ति यादव, कुमार मंगल, नाटे चौधरी, नसीरुद्दीन राईन, हरीश चंद्र पाल, सुभाष यादव, धारा भारतीय, राजेंद्र यादव, बेला यादव, सर्वजीत पाल, आशुतोष तिवारी, रजनीश भारतीय, राम चन्द्रर यादव, जगदीश यादव, महाबली यादव, सोनू पाण्डेय, सौरभ यादव, धर्मेंद्र यादव सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानिकपुर-नैनी रेलखंड पर ट्रैक उच्चीकरण का कार्य पूरा, अब 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी रेलगाड़ियां

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। मानिकपुर-नैनी खंड पर अब रेलगाड़ियों की रफ्तार बढ़कर 120 किलोमीटर प्रति घंटा हो जाएगी। उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने वाले इस रेल रूट पर प्रयागराज मंडल एक अति महत्वपूर्ण खंड है, इस पर रेलवे ट्रैक के उच्चीकरण का कार्य करवा रहा था, जो अब पूरा हो गया है। यह रेलवे ट्रैक उत्तर भारत से दक्षिण भारत एवं पश्चिम भारत को ट्रेन रूट के रूट से (जबलपुर, इटारसी) होते हुए मुंबई एवं दक्षिण भारत को जोड़ता है।

विगत 10 नवंबर 2019 से इस खंड में ट्रेक की स्पीड बढ़ाने के लिए एवं उसकी गुणवत्ता में सुधार के निमित्त लगातार कार्य किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण कार्य संतोष कुमार गुप्ता वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्वय प्रयागराज, वरिष्ठ मंडल अभियंता प्रथम राजेश कुमार एवं सहायक मंडल अभियंता नैनी एनपी सिंह के दिशा

निर्देश पर पांच-पांच मशीनों द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ-साथ स्लीपर एवं रेल का नवीकरण कार्य भी किया जा रहा है।

वरिष्ठ खंड अभियंता रेल पथ शंकरगढ़ के अंतर्गत यह कार्य 30 सितंबर 2020 से चल रही है यह कार्य शंकरगढ़ के अंतर्गत कटैया से शंकरगढ़ तक संपनन् हो गई है शंकरगढ़ में बाजार का फाटक 415 ए एवं 415 बी पर भी यह कार्य किया गया जो गुरुवार को संपनन् हो गया। यह कार्य करने में काफी कठिनाई हुई फिर भी यह कार्य सफलतापूर्वक संपनन् हो गया। जब पूरा देश कोरोना के दूसरे दौर से गुजर रहा था, तब भी यह कार्य कोरोना के नियमों का पालन करते हुए अनवरत जारी रहा। इस कार्य में कुछ घंटों के लिए ट्रेन के संचालन को बंद कर पांच मशीनों द्वारा कार्य किया जाता है। यह कार्य अप एवं डाउन दोनों लाइनों में बारी-बारी से किया गया। अभी तक यह कार्य किलोमीटर 1256/0 से 1313/0 बेमरा तक संपनन् हो गया। अब यह कार्य बेमरा से नैनी की तरफ किया जाएगा।

यह कार्य वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्वयक संतोष कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता प्रथम राजेश कुमार एवं सहायक मंडल नैनी अभियंता एनपी सिंह के निर्देश पर किया गया। इस कार्य को पूरा करने में सभी मशीन इंजीनियर एवं स्टाफ स्टेशन स्टॉप टीआरडी स्टाफ सिगन्ल एवं टेलीकॉम स्टाफ का सहयोग रहा। कार्य को पूरा करने में मुख्य भूमिका देवेंद्र प्रसाद वरिष्ठ खंड अभियंता रेल पथ इंचार्ज शंकरगढ़ वरिष्ठ खंड अभियंता बरगढ़ राकेश कुमार, कमलेश कुमार, अशोक कुमार वरिष्ठ खंड अभियंता शंकरगढ़ अरुण कुमार एवं वरिष्ठ खंड अभियंता शंकरगढ़ अजय कुमार सिंह एवं समस्त इंजीनियरिंग स्टाफ शंकरगढ़ डिपो का योगदान रहा है। इस कार्य का नैनी तक पूरा हो जाने पर गाड़ी की स्पीड 110 किलोमीटर पर आवर से 120 किलोमीटर पर आवर हो जाएगी।

एनएसयूआई ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अलग से वैक्सिनेशन की मांग के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक छात्र संगठन एनएसयूआई एकमात्र छात्र संगठन है जो छात्र हितों के मुद्दे पर लड़ने व छात्र हितों के लिए संघर्ष के लिए जानी जाती है जनपद प्रयागराजऱळघ् जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर के नेतृत्व में छात्रों की हुजूम आज उसी क्रम में छात्रों की सुरक्षा हेतु अलग से कोविड वैक्सिनेशन सेंटर की मांग जिलाधिकारी से की है।छात्रों का कहना है कि जब अधिवक्ता बंधुओ के लिए,रेलवे कर्मचारियों के लिए,एजी ऑफिस कर्मचारियों के लिए व

ज्यादातर विभागों में वैक्सीनेशन सेंटर उनके लिए खुल सकते है फिर छात्रों के लिए क्यु नही??जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने कहा कि छात्र राष्ट्र की रीढ़ व मजबूत स्तम्भ है अगर छात्रों के जीवन की सुरक्षा से देश की भविष्य की सुरक्षा है।अगर मांगे नही मानी जाती संगठन आंदोलन को बाध्य होगा।

राष्ट्रीय संयोजक जितेश मिश्रा जी व प्रदेश महासचिव अजय पांडेय बागी ने कहा कि शिक्षा व सुरक्षा पर सरकार को सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए व छात्रजन देश के आधार है इनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो। इस दौरान- राष्ट्रीय संयोजक जितेश मिश्र,जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर,प्रदेश महासचिव रजनीश तिवारी सत्यम संजीव पाठक,कार्यकारी अध्यक्ष वैभव सिंह,दीपक राय,नीतीश सिंह,धीरेन्द्र प्रताप सिंह,इत्यादि लोग प्रमुखता से रहें।

हकीम पट्टी में प्राथमिक शिक्षक संघ सैदाबाद के कार्य समिति की प्रदेश व जिला इकाई के निर्देश पर बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बुधवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा सैदाबाद प्रयागराज के कार्य समिति की प्रदेश व जिला इकाई के निर्देश पर बैठक प्राथमिक विद्यालय हकीम पट्टी में संपनन् हुई ,बैठक में प्रदेश नेतृत्व के द्वारा 20 बिंदुओं की चर्चा हुई त् इस बैठक में शासन से की गई मांग तथा 1 अप्रैल से नियुक्त सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन तथा दूरदराज मे नियुक्त शिक्षकों का अंतर्जनपदीय स्थानांतरण,

कैशलेस सुविधा मृतक आश्रितों की शिक्षक के पद पर नियुक्ति पदोनन्ति पर 17140 व 18150 वेतनमान प्रदान करने ग्रेजुएटी देने शिक्षा सेवा अधिकरण समाप्त करने आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई त् कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश मिश्र अध्यक्ष ने किया इस अवसर पर ब्लॉक मंत्री सूबेदार सिंह ने मांग पत्र के सभी बिंदुओं पर विचार करने के लिए शिक्षकों को एकजुट होकर शासन को वाद्य करने का संकल्प लिया त् इस अवसर पर त्रिलोकी नाथ पांडे,अनंत बहादुर सिंह, राजेश सिंह ,रवि शंकर मिश्र ,देवेंद्र सिंह ,राजेंद्र प्रजापति ,कल्पना मालवीय ,रंजना राय, अंजू देवी ,ऋषि राज सिंह, मांधाता अनुभव त्रिपाठी, अरुण त्रिपाठी ,पवन बाजपेई ,सिद्धार्थ द्विवेदी, रिंकी यादव, हरिशंकर आदि शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

चुराई गई भैंसों के साथ चार मवेशी चोर गिरफ्तार, कार और मालवाहक बरामद

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने मवेशी चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, साथ ही चुराई गई चार भैंसों के साथ ही एक मालवाहक और एक कार बरामद की है। पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह खेत में चरने के दौरान भी मवेशियों की चोरी करता था। एसओ शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के लेदर निवासी बालकृष्ण तिवारी पुत्र चंद्रशेखर तिवारी ने तहरीर देकर बताया खेत से उनकी भैंस चोरी हो गई है। इस मामले में शिकायत दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के गढ़वा किला के पास से चार मवेशी चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से चुराई गई चार भैंसें भी बरामद हुई हैं।

एसओ ने बताया कि इस गिरोह में शामिल दो लोग चोरी की भैंसों को ले जाने के दौरान रास्ते की निगरानी भी करते थे,ताकि पुलिस की पकड़ से बचा जा सके।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

चोरी की बकरे को बेचने ले जाते समय रंगेहाथ पकड़ जमकर पीट पुलिस को सौंपा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के देवरी गांव में दो दिन पूर्व चोरी हुए दो बकरे को बेचने ले जाते समय रंगेहाथ पकड़ भीड़ ने जमकर पीट पुलिस को सौंप दिया। बकरा चोर पकड़े जाने की सुचना पर कई पीडि़त थाने में पहुंच गए।

देवरी गांव निवासी शिव प्रसाद पाल की मंगलवार की रात चोरों ने घर के दरवाजे पर बंधे दो बकरे चोरी हो गई थी। गुरूवार की सुबह उक्त दोनो बकरो को एक युवक गांव के रास्ते से ही बेचने के लिए जा रहा था कि शिव प्रसाद ने युवक को पकड़ लिया। इस बीच ग्रामीणों की भीड़ लग गई। और भीड़ ने पकड़े गए युवक को जमकर पिटाई करने लगे तो पुछताछ मे युवक ने चोरी की गई दोनो बकरे को पास के बरामार गांव के एक युवक से खरीदने की बात कही तो लोग पुलिस के साथ पहुंच एक युवक को और गिरफ्तार कर थाने लाकर पूछ्ताछ करने लगी। बकरा चोर पकड़े जाने की सूचना पर कई पीडि़त थाने पहुंच अपने अपने चोरी गई बकरे के बारे में पूछताछ करने लगें। मामले में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

बाइक डिवाइडर से टकराई बहनोई की मौत, साला गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर स्थित हाईवे पर बुधवार की देर रात शहर की ओर से बाइक आ रहे युवक की बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई । जिससे सवार बहनोई की मौत हो गई और साला गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया । पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

कोरांव थाना क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी अतिबल सिंह (35) पुत्र कुंवर प्रताप सिंह की पतनी को दो दिन पूर्व प्रसव हुआ था जिसमे जन्मे बच्चे की मौत हो गई थी । डॉक्टरों ने जच्चा को खून की कमी बताई थी।

जिसे लेने के लिए अतिबल सिंह बुधवार के दिन अपने साले विनय सिंह निवासी चंदई खटिया सोहागी रीवा के साथ शहर के ब्लड बैंक से अपना ब्लड देकर वहां से ब्लड लेकर बुधवार की देर रात बाइक से लौट रहा था ।अभी वह बाइक से घूरपुर बाजार स्थित स्टेट बैंक के सामने पहुंचा था कि अचानक उसे गस आ गया जिससे बाइक डिवाडर से टकरा गई । अतिबल सिंह सिर के बल डिवाडर पर गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। और साला गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना की सूचना होते ही परिजनों में कोहराम मच गया ।

महिला की हत्या के मामले में नया पेंच एक दबंग युवक के खि़लाफ़ दुष्कर्म का केस दर्ज़

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। क्षेत्र के बसवार गांव में विगत माह हुई महिला की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया ।जहां हत्या के आरोप में मृतका का पति जेल गया है ।वहीं मृतका की सास ने हत्या के पूर्व गांव के ही एक दबंग के खिलाफ मृतका के साथ जबरन दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है । केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है । बताते चलें कि विगत

बसवार गांव में 20 जून को महिला की हुई थी हत्या

20 जून की सुबह बसवार निवासी अंगूरा देवी 30 की लाश गांव के बाहर झाड़ियों में मिली थी ।मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपी मृतका के पति रामसेवक निषाद को जेल भेज दिया था । घटना के लगभग एक माह बीतने के बाद गुरुवार के दिन घूरपुर थाने पहुंची मृतका की सास व ननद ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि घटना वाली रात में उसकी बहू अंगूरा देवी के साथ गांव का दबंग किस्म का व्यक्ति शिवधारी निषाद जबरन दुष्कर्म कर रहा था । बहू ने शोर मचाया तो सभी दौड़े तो आरोपी शिवधारी किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला था । इधर मृतका बहू की हत्या के आरोप में बेटे राम सेवक के जेल जाने के बाद दुष्कर्म का आरोपी शिवधारी सास व ननद की हत्या करने के लिए तलाश रहा था ।किसी तरह दोनो बच बचाकर गुरुवार के दिन थाने पहुंचकर लिखित शिकायती पत्र दिया।जिस पर पुलिस ने दुष्कर्म की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरु कर दी है। घटना के दिन ही ग्रामीणों के बीच दुष्कर्म का जोरो पर था चर्चा दी गई थी

मेजा तहसील में गरजे सपाई एसडीएम को सौपा ज्ञापन

अखण्ड भारत सन्देश

फुलपुर। प्रयागराज विधानसभा मेजा भाजपा की मौजूदा सरकार द्वारा चलाए जा रहे देश मे कानून व्यवस्था से आहत होकर समाजवादी पार्टी के जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं द्वारा बृहस्पतिवार को तहसील परिसर मे अपनी 16 सूत्री मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमे सपाइयों ने उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री से संबोधित 16 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। सपाइयों की मांग है कि किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिया जाए, एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाए, प्रदेश में किसानों का गनने का बकाया भुगतान ?15000 तत्काल दिए जाएं, किसानों के ऊपर जो काला कानून थोपा जा रहा है उसे तत्काल वापस लिया जाए, बढ़ती महंगाई, (डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस, खाद, बीज, कीटनाशक दवाए, कृषि यंत्र) पर रोक लगाई जाए, बेरोजगार नौजवानों को रोजगार दिया जाए, उत्तर प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, महिलाओं के साथ हो रहे।

घर में ताला तोड़ 50 हज़ार नकदी व एक लाख का आभूषण चोरों ने कर दिया पार

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के कांटी गांव में सूनसान घर में चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़ घर में घुसे चोरों ने नकदी व जेवरात सहित अन्य कीमती सामान पार कर दिए। पीडि़त ने थाने में शिक़ायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

कांटी गांव निवासी राम तीरथ पटेल पुत्र स्वर्गीय मुकुंद लाल पटेल के छोटे भाई की पतनी की दो दिन पूर्व मृत्यु हो गई थी। जिससे राम तीरथ का पूरा परिवार बुधवार की रात घर से कुछ दूर छोटे भाई के घर गए थे। सुबह घर वापस आए तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर कमरे में घुसे तो दो बाक्स और आलमारी के ताले टूटे और सामान बिखरे देख दंग रह गए। चोरी की घटना सुन आसपास के लोगो की भीड़ जुट गई। गृह स्वामी ने बताया कि चोरों ने बाक्स में रखे पचास हजार नकदी व एक लाख के सोने चांदी के जेवरात व कीमती कपड़े व घरेलू सामान चोरी कर ले गए। पीडि़त ने थाने में शिक़ायती पत्र दिया। पुलिस पहुंच मामले की जांच पड़ताल की।

सम्पादकीय

गठबंधन के तकाजे

राज्य में अगला विधानसभा चुनाव 2024 में होना है। अभी मौजूदा सरकार ने आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया है। फिर भी उसकी तैयारी करना, पार्टी संगठन को सचेत रखना किसी पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन क्या इसकी बार-बार सार्वजनिक घोषणा करना भी उतना ही जरूरी है महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने ताजा बयान से उपजे विवाद को शांत करने के लिए वही रास्ता अपनाया जो लापरवाही भरे बयान जारी करने वाले नेता अक्सर अपनाते हैं। उन्होंने पूरा दोष मीडिया के मत्थे मढ़ते हुए कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया और दरअसल उनका इशारा प्रदेश सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार की ओर था। बहरहाल, यह पहला मौका नहीं है जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बयान ने पार्टी और राज्य सरकार को असहज किया है। वे न केवल बार-बार कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर रहे हैं बल्कि सरकार पर परोक्ष रूप से घोटाले का भी आरोप लगा चुके हैं। चुनाव लड़ने की घोषणाओं का तो वे बचाव भी करते रहे हैं। यह सही है कि तीन विपरीत विचारधाराओं वाली पार्टियों का यह गठबंधन स्थायी नहीं है। लेकिन प्रदेश में कार्यकाल पूरा करने वाली एक स्थिर सरकार देना तो इस गठबंधन का घोषित मकसद रहा है। राज्य में अगला विधानसभा चुनाव 2024 में होना है। अभी मौजूदा सरकार ने आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया है। फिर भी उसकी तैयारी करना, पार्टी संगठन को सचेत रखना किसी पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन क्या इसकी बार-बार सार्वजनिक घोषणा करना भी उतना ही जरूरी है

इरादा हो या न हो, इससे यह संदेश जाता है कि प्रदेश की गठबंधन सरकार में अपनी भागीदारी को लेकर कांग्रेस कहीं न कहीं दुविधा और असमंजस में है। मगर ऐसा संकेत देने वाली कांग्रेस इकलौती पार्टी नहीं है। गठबंधन सरकार की अगुआई कर रही शिवसेना की तरफ से भी उसके प्रवक्ता संजय राउत ऐसे कई बयान दे चुके हैं जिन्हें गठबंधन धर्म के अनुरूप मानना मुश्किल हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि पारंपरिक तौर पर शिवसेना की सोच बीजेपी के करीब रही है। लेकिन इसके बावजूद दोनों इस बार साथ मिलकर सरकार नहीं बना सकीं और शिवसेना ने अपनी राह अलग करते हुए एनसीपी तथा कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का अपेक्षाकृत कठिन रास्ता चुना। अब जब यह कांटों भरी राह चुन ली तो इस पर आगे बढ़ने के बजाय बीच-बीच में पुराने रास्ते को याद करके बिसूरते रहना मौजूदा सफर को और कठिन बनाएगा। गठबंधन में शामिल सभी पक्षों को यह याद रखना चाहिए कि फिलहाल उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी राज्य को एक स्थिर और अच्छा शासन मुहैया कराने की है जिसका कि तीनों दलों ने अपने वोटरों से वादा भी किया है। एक बार सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर ले तो चुनाव वे जैसे चाहें लड़ें, लेकिन उससे पहले गठबंधन के तकाजों को समझना और उसका पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वाह करना तीनों दलों का लोकतांत्रिक दायित्व भी है। बेहतर होगा कि तीनों दलों का शीर्ष नेतृत्व इसे लेकर थोड़ी और सावधानी बरते।

गांधी की आत्मा गायब तो शुचिता का आग्रह कैसा

उमेश चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनावों को लेकर हंगामा बरपना स्वाभाविक है। लोकतंत्र के जिस मॉडल को हमने स्वीकार किया है, उसमें जीतने वाली पार्टी का उत्साहित होना और हारने वाली पार्टी का दुखी होना भी सहज है। हालांकि लोकतंत्र की बुनियाद लोकभावना पर टिकी है, इसलिए इसकी कामयाबी की एक शर्त यह भी है कि जीत और हार को सहजता से लेने की आदत विकसित होती रहे। दुर्भाग्यवश, देश में राजनीति जिस पटरी पर आगे बढ़ती रही है, उसमें ऐसे मौके कम से कम होते गए जब हम पराजित पक्ष को शालीनतापूर्वक हार स्वीकार करते या विजेता पक्ष को विनम्रतापूर्वक जीत ग्रहण करते देख सकें।

यूपी के हालिया पंचायत चुनावों के बाद उभरे आरोप-प्रत्यारोपों, विवादों, बहसों को अगर पंचायती राज व्यवस्था की खामियों और खूबियों पर केंद्रित रखा जा सकता तो उपयोगी विमर्श की संभावना बन सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। हम भूल गए हैं कि गांधी जी ने प्राचीन व्यवस्था पर आधारित जिस पंचायती राज की कल्पना की थी, उसकी आत्मा मौजूदा व्यवस्था से गायब है। इस संदर्भ में संविधान के उस 73वें संशोधन की पड़ताल होनी चाहिए थी, जिसके जरिए पंचायती राज व्यवस्था स्थापित की गई, जिसे आजाद भारत की राजनीतिक व्यवस्था में मील का पत्थर माना गया। लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। पंचायती राज में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रयोग को सिर्फ सत्ता और राजनीतिक दलों से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

गांधी के लोकतंत्र की अवधारणा में जो ग्राम स्वराज है, वह पंचायती राज कानून के तहत मिली पंचायती राज व्यवस्था से कहीं अलग है। गांधीजी ने ग्राम स्वराज को लेकर जो कहा है, उसे याद कर लेना चाहिए। उन्होंने लिखा है, 'सच्चा लोकतंत्र केंद्र में बैठकर राज्य चलाने वाला नहीं होता, यह तो गांव के प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग से चलता है।' गांधी पंचायती राज या ग्राम स्वराज को भावी भारत के सर्वांगीण विकास की बुनियाद बनाना चाहते थे। उन्होंने लिखा है, 'स्वराज की मेरी कल्पना यह नहीं है कि सत्ता कुछ लोगों के हाथ में आ जाए, बल्कि यह है कि जनता में सत्ता का दुरुपयोग रोकने की क्षमता पैदा हो।' मौजूदा पंचायती राज व्यवस्था जिस तरह का नजारा प्रस्तुत कर रही है, उससे साफ है कि गांधी की कल्पना दूर कहीं पीछे छूट गई है। दरअसल हमने जिस पंचायती राज व्यवस्था को अपनाया है, वह एक तरह से संसदीय लोकतंत्र की ही नकल है। संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक दल दांव-पेच आजमाते रहते हैं। हालिया चुनाव सुधारों, सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्थाओं और चुनाव आयोग की सक्रियता की बदौलत अब संसदीय चुनाव पिछली सदी के अस्सी के दशक की तुलना में काफी साफ-सुथरे हो गए हैं। लेकिन पंचायती राज चुनाव अभी उन बुराइयों से दूर नहीं हो पाए हैं। यही वजह है कि चाहे उत्तर प्रदेश हो या बिहार, महाराष्ट्र हो या कर्नाटक या कोई

और राज्य, पंचायती चुनाव जब भी होते हैं, हंगामा होता है। हारने वाला सत्ता पर सवाल उठाता है और जीतने वाला उसे जनसमर्थन का प्रतीक बताता है।पंचायती चुनाव पर उठने वाले हंगामे पर चर्चा से पहले हमें अपने इतिहास की ओर भी झांक लेना चाहिए। हजार साल की गुलामी के बावजूद भारतीय समाज व्यवस्था के बने रहने और 18वीं सदी तक दुनिया की कुल जीडीपी में भारत की करीब आधी हिस्सेदारी कायम रहने के पीछे हमारे ग्राम स्वराज का बड़ा हाथ था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने अपने एक निबंध में कहा है कि चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ यह ग्राम स्वराज व्यवस्था थी, लिहाजा आक्रांताओं ने भी इससे छेड़छाड़ नहीं की। अंग्रेज जरूर अपवाद रहे, जिन्होंने अपने उत्पादों के बाजार के लिए इस व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया। गांधीजी मानते थे कि गांवों की स्थिति में सुधार करके ही देश को ताकतवर बनाया जा सकता है। उनकी ग्रामोत्थान की इसी कल्पना के अनुरूप संविधान के अनुच्छेद 40 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों की व्यवस्था की गई। गांधी जी समझते थे कि प्राचीन व्यवस्था के मुताबिक पंचायतों को गौरवशाली और प्रभावी होने में वक्त लगेगा। उन्हें आशंका थी कि पंचायतों को अगर सही तरीके से विकसित नहीं किया गया तो वे गांवों के सर्वांगीण विकास का जरिया नहीं बन पाएंगी। दुर्भाग्यवश हमारी मौजूदा पंचायती राज व्यवस्था गांधी की उस आशंका को सही साबित कर रही है। इसकी वजह है, गांव पंचायतों से उनकी मूल आत्मा का गायब हो जाना। इसका एक बड़ा कारण है ग्रामीण विकास का लगातार बढ़ता बजट। आठवीं पंचवर्षीय योजना में ग्राम विकास के लिए तीस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।

अब हालत यह है कि 2020-21 के बजट में ग्रामीण विकास के तमाम मदों को जोड़ दिया जाए तो करीब 2.16 लाख करोड़ का प्रावधान रहा। इसमें मौजूदा वर्ष में थोड़ी कमी आई है, फिर भी यह रकम 1.94 लाख करोड़ से कुछ ज्यादा ही है। जाहिर है, गांवों में आ रही इतनी बड़ी रकम पर पंचायत प्रतिनिधियों की नजर रहती है। उनका ध्यान इस रकम के जरिए अपने गांव, जिले या ब्लॉक का विकास करने पर उतना नहीं रहता जितना अपना रसूख और धनबल बढ़ाने पर होता है। इसीलिए राजनीति की कमियां पंचायती राज में भी आ गई हैं। गड़बड़ियों की एक वजह जिला पंचायत और ब्लॉक अध्यक्षों का चुनाव पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा किए जाने की व्यवस्था भी है। हर स्तर के पंचायत प्रतिनिधियों का चुनाव सीधे जनता द्वारा होता है लेकिन ब्लॉक और जिला प्रमुखों के लिए यह व्यवस्था नहीं है। चूंकि राज्यों के चुनाव आयोग केंद्रीय चुनाव आयोग की तरह ताकतवर नहीं बन पाए हैं, इसलिए अक्सर रसूखदार लोग पंचायत प्रतिनिधियों पर कब्जे की कोशिश करते हैं। गड़बड़ी यहीं होती है। अतीत में तो उत्तर प्रदेश और बिहार में इन पंचायत प्रतिनिधियों की बोली लगती रही है। बोली में नाकाम होने पर हिंसा का सहारा भी लिया जाता रहा है। जब पंचायती व्यवस्था प्राचीन परंपरा की आत्मा से दूर होगी, त्याग की भावना वाली राजनीति के लिए उसमें जगह नहीं बचेगी तो हिंसा, हंगामा, मारपीट अपरिहार्य है।

बढ़ती आबादी को लेकर बदलना होगा नजरिया

अशोक मधुप

आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में जनसंख्या को स्थिर करने के लिए नई जनसंख्या नीति (वर्ष 2021-30 की अवधि के लिए) का ऐलान किया गया है। इस नीति के माध्यम से परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत गर्भ निरोधक उपायों की सुलभता बढ़ाने और सुरक्षित गर्भपात की व्यवस्था देने की कोशिश होगी। वहीं उनन्त स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नवजात मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर को कम करने के प्रयास भी किए जाएंगे।

वहीं असम सरकार भी प्रदेशवासियों पर टू-चाइल्ड पॉलिसी का फॉर्म्युला लागू करने की तैयारी में जुट गई है। जनसंख्या वृद्धि दर के आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डीमीटर के अनुसार, 2021 में भारत की जनसंख्या लगभग 139 करोड़ हो चुकी है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आबादी 121 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'द वर्ल्ड पॉप्युलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2019 : हाईलाइट्स' में अनुमान लगाया गया है कि 30 वर्षों में वैश्विक जनसंख्या में 2 अरब लोग और जुड़ जाएंगे। फिलहाल दुनिया की आबादी लगभग 7 अरब 70 करोड़ है, और 2050 तक यह बढ़कर 9 अरब 50 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। मौजूदा समय से 2050 तक भारत में सबसे ज्यादा जनसंख्या वृद्धि होने का अनुमान है।

भारत चीन को पीछे छोड़ते हुए 2027 तक दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा। किसी देश के लिए बढ़ती आबादी समस्या है या आवश्यकता, यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए मान लीजिए कि किसी देश के नागरिक केवल एक ही संतान में विश्वास करते हैं, तो शुरू में यह देश की प्रगति में बहुत योगदान देगा, क्योंकि कम जनसंख्या के कारण संसाधनों पर बोझ कम होगा। लेकिन अगर वह देश इसी रफ्तार से चलता रहा तो अगले कुछ समय में उस देश की आबादी ज्यादा उम्रदराज हो जाएगी, और हर स्त्री-पुरुष पर चार बूढ़े लोगों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी होगी। समय के साथ यह अंतर बढ़ता जाएगा, जिसके कारण बुजुर्गों की आबादी देश के योगदान में ज्यादा मददगार नहीं होगी। लिहाजा वह देश दूसरे देशों की तुलना में पिछड़ने लगेगा, क्योंकि देश में कामकाजी लोगों की कमी हो जाएगी।कम जनसंख्या किसी देश की प्रगति में एक समय में सहायक होती है तो यही चीज आने वाले समय में देश की तरक्की में सबसे बड़ी बाधा भी बनती है। चीन को अभी इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते वह अब वन और टू चाइल्ड पॉलिसी से मुक्ति पाकर थ्री चाइल्ड पॉलिसी की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती उम्र की आबादी से जापान भी परेशान है। इटली में जन्म दर की गिरावट के कारण बच्चे के जन्म पर सरकार 70 हजार रुपये तो देती ही है, घर और कारोबार शुरू करने में कई तरह की मदद भी मुहैया कराती है। यूरोपीय देश एस्टोनिया में जन्म दर बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को पूरे वेतन के साथ डेढ़ साल की छुट्टी दी जाती है। साथ ही तीन बच्चों वाले परिवार को वहां हर महीने 25 हजार रुपये का बोनस दिया जाता है। आम धारणा के विपरीत बढ़ती आबादी हमारी समस्या नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। गलत अवधारणाओं ने भारत में मानव पतन को बढ़ावा दिया है। उन लाखों अजन्मे बच्चों के बारे में सोचें, जो हमारी क्रूर परिवार नियोजन नीतियों के परिणामस्वरूप मारे गए। इनमें से कितने तेंडुलकर, रहमान और सत्यजीत रे बन सकते थे।

भारत की सबसे बड़ी समस्या बढ़ती आबादी नहीं, बल्कि सरकार और नेताओं की गलत प्राथमिकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां सभी को अपने निजी जीवन के बारे में निणर्य लेने का अधिकार है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून का सहारा लेने के बजाय शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने और गरीबी उन्मूलन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। बढ़ती आबादी को कुशल मानव संसाधन के रूप में उपयोग करने पर ध्यान देना भी जरूरी है। इस दिशा में सही ढंग से प्रयास किए जाएं तो देश की विशाल आबादी कुछ ही समय में हमारे लिए वरदान बन सकती है।

2004 में क्या-क्या हुआ था पर्दे के पीछे

संतोष भारतीय

2004 लोकसभा का चुनाव। प्रमोद महाजन ने लालकृष्ण आडवाणी को प्राइम मिनिस्टर इन वेटिंग के रूप में प्रचारित किया और देश में शाइनिंग इंडिया कैंपेन चलाया। 7 मई की रात मेरे पास डॉ. मंजूर आलम का फोन आया कि अहमद पटेल मिलना चाहते हैं। मैं जब अगली सुबह डॉ. मंजूर आलम के यहां गया तो वहां अहमद पटेल पहले से बैठे हुए थे। अहमद पटेल ने मुझसे कहा, 'बीजेपी सरकार ना बनाए, इसके लिए क्या किया जा सकता है' मैं सवालिया नजरों से उनका चेहरा देखने लगा। वह बोले, 'मेरा संदेश, जिसे सोनिया गांधी का संदेश माना जाए, आप वीपी सिंह को दे दें।' मैं वीपी सिंह से 8 मई को ही मिला। वीपी सिंह खामोश होकर सारी बात सुनते रहे। उन्होंने शाम को मुझे फिर बुलाया और मेरी राय पूछी। वीपी सिंह ने कहा, 'अगर अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री बनाने की बात होती तो मैं कुछ नहीं सोचता, लेकिन अब बीजेपी जिस रास्ते पर जा रही है, वह देश में सांप्रदायिकता बढ़ाने वाला रास्ता है, इसलिए सोनिया गांधी को ही प्रधानमंत्री बनाना चाहिए।' मैंने कहा, 'यह बहुत मुश्किल है क्योंकि सभी विपक्षी नेता कांग्रेस के खिलाफ हैं और करुणानिधि ने तो शायद अटल जी से बात कर ली है।' वीपी सिंह बोले, 'रात में करुणानिधि जी का फोन आया था। कह रहे थे कि मैं अटल जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वचनबद्ध हूं।' मैंने वीपी सिंह से पूछा, 'तब क्या करेंगे' वह बोले, 'आप सिर्फ बीच में रहें, मुझे लगता है कि सोनिया गांधी का प्रधानमंत्री बनना ज्यादा सही रहेगा।' 10 मई को वीपी सिंह की डायलिसिस थी। डायलिसिस के बाद वीपी सिंह सोनिया गांधी से मिलने गए। मैं उनके साथ था। यह बातचीत लगभग आधे घंटे चली। घर पहुंच कर उन्होंने बताया कि सोनिया गांधी चाहती हैं कि वह विपक्ष के नेताओं और करुणानिधि को नई सरकार बनाने में साथ देने के लिए तैयार करें।

11 मई को वीपी सिंह ने सबसे पहले देवगौड़ा से बात की और वहीं से वह सुरजीत के यहां चले गए। उन्होंने मुझे कहा कि सोनिया जी से कहिए कि वह तत्काल सुरजीत जी और देवगौड़ा जी से बात करें। शाम को वीपी सिंह ने करुणानिधि से फिर बात की और मुझे कहा कि उनकी बात चंद्रशेखर से मैं जितनी जल्दी हो सके, करवाऊं। 12 मई की सुबह मेरी मुलाकात सोनिया गांधी से हुई। सोनिया जी ने देवगौड़ा से बात करने में थोड़ी सी हिचक दिखाई। जब मैंने उन्हें समझाया कि देश की स्थिति पर बात करने में आपको कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए, सोनिया गांधी मान गईं। मैं दोपहर 12 बजे देवगौड़ा से मिला। वह कांग्रेस के

आलोचक थे। मेरे काफी आग्रह करने के बाद वह सोनिया गांधी से बात करने के लिए तैयार हुए। वहीं से मैं चंद्रशेखर के यहां गया। मैंने अहमद पटेल को भी बुला लिया था। मैंने बहुत आग्रह के साथ उन्हें सोनिया गांधी से मिलने को तैयार किया। सोनिया गांधी ने चंद्रशेखर को अपने घर आमंत्रित कर लिया। 7:30 से 8:00 के बीच सोनिया गांधी के यहां जाने का समय तय हुआ। मैं शाम 7:00 बजे चंद्रशेखर को लेकर वीपी सिंह के घर पहुंचा। चंद्रशेखर ने कहा कि आपके कहने पर मैं साथ दे रहा हूं, वैसे मैं साथ नहीं देता। राजा साहब मुस्कुराकर बोले, 'आज तो यही समय की मांग है, आपका समर्थन बहुत बड़े फैसले का आधार बनेगा।' सवा सात बजे एबी वर्धन और डी राजा वहां आ गए। वे सीधे सुरजीत के यहां से आए थे। उन्होंने आते ही वीपी सिंह और चंद्रशेखर से कहा, 'हमने मन बना लिया है कि हम कांग्रेस का समर्थन करेंगे।' चंद्रशेखर 7:30 बजे यह कहते हुए उठ खड़े हुए कि हमें देश की होने वाली प्रधानमंत्री से मिलने जाना है। दोनों की मुलाकात 25 मिनट चली। जब मैं चंद्रशेखर को छोड़ने उनके घर जा रहा था, तो चंद्रशेखर ने मुझसे कहा, 'विश्वनाथ के कहने पर मैं पूरा साथ दूंगा, पर विश्वनाथ से कह देना कि कांग्रेस को मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वह टिशू पेपर की तरह इस्तेमाल करती है।'

13 मई की सुबह लोकसभा के परिणाम आने थे। सुबह-सुबह मंजूर आलम, अहमद पटेल और मैं सोनिया से मिले। क्या क्या हो सकता है, इन संभावनाओं पर बात हुई। 14 मई को दिन भर सोनिया गांधी अपने साथियों के साथ विचार-विमर्श में लगी रहीं और वीपी सिंह लेफ्ट और करुणानिधि से बात करते रहे। 16 मई को करुणानिधि हवाई अड्डे से सीधे वीपी सिंह से मिलने आए। करुणानिधि ने वीपी सिंह से कहा, 'मैं अटल जी से मिलने जा रहा हूं, क्योंकि मैंने उन्हें समर्थन का वचन दिया है।' वीपी सिंह ने एक कागज मंगवाया, उस पर कांग्रेस को समर्थन का खत सोनिया गांधी के नाम लिखा और करुणानिधि से कहा, 'इस पर आपके दस्तखत कर रहा हूं, आप चाहें तो मेरे नाम एफआईआर करवा दें कि वीपी सिंह ने मेरे जाली हस्ताक्षर किए हैं।' करुणानिधि ने चाय का कप नीचे रख दिया। फिर वीपी सिंह का दाहिना हाथ अपने दोनों हाथों में दबा लिया और कहा, 'आप अगर इस हद पर हैं तो आप सोनिया जी से कह दीजिए कि मैं उनके साथ हूं।' 17 मई भारत के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है। दोपहर एक बजे के आस-पास वीपी सिंह का फोन आया कि मैं फौरन उनके पास पहुंच जाऊं। दो बजे एक कार आई, जिसमें से फोतेदार और नटवर सिंह उतरे। नटवर सिंह ने जेब से एक पर्ची निकाली और वीपी सिंह को दिखाई। वीपी सिंह ने पढ़ा और एक मिनट सोचा, उन्होंने दोनों से कहा, 'क्या कर सकते हैं, जब उन्होंने फैसला ले ही लिया है।' फोतेदार और नटवर सिंह दस मिनट रुकने के बाद चले गए। मैं भी उत्सुक था कि आखिर पर्ची में था क्या दो मिनट के बाद वीपी सिंह बोले, 'सोनिया जी ने फैसला लिया है कि वह प्रधानमंत्री नहीं बनेंगी, मनमोहन सिंह को बनाएंगी।' मैंने हैरानी से कारण पूछा, पर उन्हें नहीं पता था।

मुस्लिम यदि अपना अतीत खोजेंगे तो उन्हें मोहन भागवत के बयान में सत्यता ही दिखेगी

सुरेश हिंदुस्तानी

यह बात सही है कि वर्तमान में पाकिस्तान के नाम से पहचाने वाला देश पूर्व में भारत का ही हिस्सा रहा था। इसलिए उसका इतिहास भारत के बिना अधूरा है और इसी कारण भारत के मुसलमानों का इतिहास हिन्दू समाज या भारतीय समाज से अलग हो ही नहीं सकता। भारत में प्रामाणिक बयानों का अपने हिसाब से अर्थ निकालना एक परिपाटी-सी बन गई है। विसंगति यह है कि जो प्रचार किया जाता है, उसका मूल बयान से कोई सरोकार ही नहीं होता। एक नई बात गढ़ दी जाती है। इसी को भ्रम फैलाने वाली राजनीति कहा जाता है। अभी हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत के हिन्दू और मुसलमानों का डीएनए एक है। यह प्रामाणिक रूप से धरातलीय सच है। भारत के मुसलमान अगर अपने परिवार का अतीत खोजेंगे तो उन्हें भागवत जी के बयान में सत्यता दिखाई देगी। मीडिया तंत्र इस बात पर मंथन करे कि जब भारत में मुगलों का आक्रमण नहीं हुआ था, उस समय भारत में कोई मुसलमान था ही नहीं। अतः यह स्वाभाविक है कि आज हमारे देश में जो मुसलमान हैं, उनके पूर्वज हिन्दू ही थे। फारुक अब्दुल्ला कश्मीरी ब्राह्मण परिवार के वंशज हैं। इसी प्रकार अन्य मुसलमानों की विरासत हिन्दू अवधारणा वाली ही है। जहां तक हिन्दू अवधारणा का सवाल है तो यही कहना समुचित होगा कि हिन्दू दर्शन किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करता। इसी कारण कई मुसलमान घर वापसी कर रहे हैं।

यह बात सही है कि वर्तमान में पाकिस्तान के नाम से पहचाने वाला देश पूर्व में भारत का ही हिस्सा रहा था। इसलिए उसका इतिहास भारत के बिना अधूरा है और इसी कारण भारत के मुसलमानों का इतिहास हिन्दू समाज या भारतीय समाज से अलग हो ही नहीं सकता। सच्चाई को स्वीकार करने का साहस होना चाहिए। सरसंघचालक मोहन भागवत के बयान का कई बुद्धिजीवी मुसलमानों ने समर्थन भी किया है, लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के चलते मुसलमान मुख्य धारा से कट रहा है। उसे हिन्दू के नाम से डराया जा रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि मुसलमानों के त्यौहारों में हिन्दू समाज भी सहयोग करता रहा है। इसके विपरीत तुष्टिकरण की राजनीति के बहकावे में आकर मुसलमान भारत के मूल त्यौहारों से अलग होता जा रहा है। सवाल यह है कि इस प्रकार की राजनीति देश की एकता के लिए बड़ा खतरा है। मंथन इस बात का भी करना होगा कि दुनियाभर में जितने भी मुसलमान निवास करते हैं, उनमें सबसे ज्यादा सुरक्षित भारत में ही हैं। आज कुछ मुसलमान संदेह की दृष्टि से देखे जा रहे हैं, उसके पीछे भी सबसे बड़ा कारण स्वयं मुसलमान ही हैं, जो मुख्य धारा में आना भी चाहते हैं, लेकिन राजनीति ऐसा नहीं करने दे रही। उन्हें अपने वोटों की चिंता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने से पूर्व भारतीय समाज को तोड़ने का जो कुचक्र अंग्रेजों ने रचा था, भारत के राजनेताओं ने उसी नीति को आत्मसात करते हुए ऐसी राजनीति की कि आज समाज छिन्न-भिन्न हो गया। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस छिन्न-भिन्न समाज को एक करने का प्रयास कर रहा है तो इन राजनेताओं के पेट में दर्द उठना स्वाभाविक है। जहां तक वर्तमान केन्द्र सरकार की बात है तो उसने मुस्लिम समाज की महिलाओं के दर्द को कम करने का साहस दिखाया है। तीन तलाक का डर दिखाकर मुस्लिम महिलाओं के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती रही थी, अब उससे मुक्ति मिल गई है। यह कदम वास्तव में मुस्लिम समाज को आगे लाना वाला ही है। लेकिन कई लोगों को इस कदम में भी मुस्लिम विरोध दिखाई दिया, जो पूरी तरह से गलत है। यह देश का दुर्भाग्य है कि इने-गिने लोग ऐसे हैं, जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश की एकता-अखंडता को क्षति पहुँचाने में लगे रहते हैं। यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि विदेशी मुस्लिम बादशाहों ने भारत पर कभी लूटपाट के लिए और कभी अपनी सत्ता स्थापित कर इस्लामी झंडा फहराते हुए भारत की धर्म, संस्कृति, परम्परा को क्रूरता से कुचलने की लगातार कोशिश की। चाहे बाबर, तैमूर, गौरी हो या औरंगजेब हो, सभी की बर्बरता की कहानी इतिहास चीख-चीखकर कह रहा है।

जीवनसाथी

रिमझिम रिमझिम।बारिश की नन्ही नन्हीं बूंदे।जैसे नटखट बच्चे अठखेलियां कर रहे हो।बूंदों के साथ सौंधी मिट्टी की महक।लहराती पवन।मौसम सुहाना था।सावन के आते ही आ जाता है त्योहारों का मौसम।मखमली धरा जैसे हरियाली का दुशाला ओढ़े उल्लसित हो रही हो।नीला गगन।कभी काले घने बादलों से आच्छादित,कभी नीलिमा से सजा।उमड घुमड़ आते बादलों की तरह मन में हलचल थी।सौमित्र आएगा।जरूर आएगा।उसका प्यार,उसका समर्पण भाव उसे खींच लाएगा।ऐसे छोटी छोटी बातों से रूठ घर छोड़ जाता है कोईक्या हुआ जो माँ बाबूजी ने कुछ कह दियाअपनी भलाई के लिए ही तो कहा है।उनकी आशायें,कुछ अपेक्षायें भी तो होगीछुटकी की शादी करनी है।वरपक्ष की इच्छानुसार।माँ बाबूजी जी ने बड़ी मुश्किल से अमित को चुना है।बड़ा ओहदा,सुशिक्षित,बड़े घर का अमित।छुटकी को पसंद नही था उसका व्यवहार।लेकिन बड़ों के आगे कुछ बोल न पाई वह।मां बाबूजी की सेहत भी आजकल कमजोर चल रही थी।वह उलझनों में उलझना नहीं चाहती थी।दिल के मरीज बाबूजी को परेशान नही करना था उसे।पर सौमित्र ने उसके हृदय भावों को पढ़ लिया था जैसे।इस रिश्ते से वह भी तो नाखुश था।अमित का परिवार अहंकारी,दंभी लग रहा था उसे।आये दिन उनकी मांगे बढ़ती जा रही थी।शादी ऐसी हो,वैसी हो।अपनी बेटी के लिए रूपवान राजकुमार ढूंढ लाये थे मां बाबूजी।अब नखरे उठा रहे थे।हद से ऊपर बहने लगा लोभ,तब सौमित्र ने विरोध जताया।मां बाबूजी नाराज हो गये।पता नहीं क्या क्या बोलते गए।और सौमित्र किसी को कुछ न बताते चले गए कहीं। वह ठगी-सी रह गयी। छुटकी चुप चुप रहने लगी।रो रोकर आंसू सूखने लगे।न तो ब्याह करना चाहती थी वह,न ही घरवालों को नाराज।भाभी से मिनन्तें कर उसने रोके रखा था।अपने मित्र,शुभचिंतक,फेसबुक,व्हाट्सएप्प से अपने भैया से जुड़ने का प्रयतन करने लगी।ङ्गभाईसाहब जब तक आप आओगे नहीं,मै शादी नहीं करूंगी।ङ्ग मेसेंजर पर उसका मैसेज पढ़ते ही भैया लौट आये थे।विचार विमर्श कर फैसला लिया गया।ऐसे लोभी-लालची जीवनसाथी संग अपने जीवन की डोर को नही बांधना चाहती वह।अपना जीवन अपने हिसाब से जियेगी।कठपुतली बनकर नहीं।निणर्य ले लिया था उसने।मन में ठान लिया था।कुछ हल्कापन-सा महसूस कर रही थी वह।हैरान माता पिता अब तक परेशान हो गए थे।जल्द ही मान गए।जीवनसाथी,सुयोग वर की तलाश करने लगे।ङ्गछोटी बहना है मेरी लाडो,उसे प्यार करनेवाला,उसकी भावनाओं की कद्र करनेवाला,जो मित्र बनकर सम्मान दे,वही बनेगा उसका मनमीता।ङ्गअपने भाई के प्रेम भाव से गदगद छुटकी की अँखियों से सावन बरसने लगा।भविष्य के सुनहरे सपनों में खो गयीं वह।